

फूला भाग, ऊपर की ओर निकला फोड़ानुमा भाग। bulb

**बल्य** वि. (तत्.) बलदायक, बल बढ़ाने वाला, शक्तिप्रद।

**बल्लभ** पुं. (तत्.) 1. प्रियजन, प्रेम प्रदायक, प्रेमी सर्वप्रिय, स्वामी, ईश्वर, पति, मालिक 2. कृष्ण के लिए प्रयुक्त होने वाला समस्त पद, राधावल्लभ पुं. (तद्.) 1. नोकदार लोहे का घातक अस्त्र, भाला 2. राजसी व्यक्तियों या धनाढ्यों के जुलूस में आगे आगे चलने वाले रक्षकों के हाथ में स्थापित लौह अस्त्र।

**बल्लव** पुं. (तत्.) 1. चरवाहा 2. रसोइया (भीम को दिया गया 'वल्लव' नाम जब वे विराट के यहाँ रसोइया रहे थे)।

**बल्ला** पुं. (देश.) 1. गेंद खेलने के लिए या क्रिकेट के खेल में प्रयुक्त होने वाला लकड़ी का मोटा डंडा 2. लकड़ी की बल्ली 3. नाव खेने का पतवार या बाँस।

**बवंडर** पुं. (तद्.) झंझावात, तूफान, आँधी, घुमावदार तूफान, चक्रवात ला.अर्थ. बवंडर खड़ा करना- बेकार का झंझट उपस्थित कर देना, उपद्रव करना, बेकार का शोर मचाना, चिल्लाना-चीखना।

**बवासीर** पुं. (अर.) गुदामार्ग में उत्पन्न होने वाले मस्से का रोग, रक्तस्राव वाला अर्श।

**बशर** पुं. (अर.) मानव, मनुज, व्यक्ति।

**बशर्त** अव्य. (फा+अर.) 1. शर्त के साथ, शर्त सहित, प्रतिश्रुति सहित 2. कार्य करने का वचन करार के साथ, शर्त।

**बसंत** पुं. (तत्.) छह ऋतुओं (बसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत, शिशिर) में से एक प्रधान बसंत ऋतु, षड्ऋतुओं में इसे प्रथम ऋतु माना जाता है, चैत्र-वैशाख मास में होने वाला समय ला. अर्थ. 1. अत्यंत मूर्खव्यक्ति के लिए घोंघावसंत या उल्लवसंत शब्द का प्रयोग होता है 2. सुंदरता और चेतनता की ऋतु 3. शीतला या चेचक की बीमारी 4. संगीत शास्त्र के छह रागों में से दूसरा राग।

**बसंती** वि. (तद्.) 1. बसंत ऋतु से संबंधित 2. जो बसंत ऋतु में हो 3. पीले रंग का चमकदार (वस्त्र या अन्य वस्तु) टि. सरसों के फूल बसंत ऋतु में होने के कारण 'बसंती फूल' कहलाते हैं।

**बस स्टॉप** पुं. (अं) बस ठहराव की जगह, जहाँ जगह-जगह बस से यात्रा करने वाले लोग चढ़ते उतरते हैं क्रि.वि. (फा.) समाप्ति सूचक, पर्याप्तता को बताने वाला शब्द, पूर्ण, भरपूर (संस्कृत में अलम्)। bus stop

**बसना** अ.क्रि. (तत्.) किसी स्थान पर स्थायी रूप में रहना, वास करना, आबादी में रहना 2. आबादी से भरपूर होना मुहा. बसना- परिवार समेत सुख से रहना, गृहस्थ हो जाना।

**बसर** स्त्री. (फा.) तालमेल, गुजारा, निर्वाह, यापना, बिताना विशे. गुजर-बसर इन दो समानार्थक शब्दों का एक ही अर्थ 'गुजारा' के लिए प्रयुक्त होता है।

**बसाना** स.क्रि. (तद्.) रहने के लिए जगह देना, आबादी के लिए जगह देना, लोगों को बसने के लिए स्थान देना मुहा. घर बसाना- गृहस्थी में आ जाना, परिवार के साथ सुख से रहने की व्यवस्था करना, ठहराना, स्थान देना अ.क्रि. 1. स्थिर होना 2. दुर्गंध होना, बदबू होना, महकना 3. प्रभाव होना।

**बसियाना** अ.क्रि. (तद्.) वासी हो जाना स.क्रि. वासी करना या होने देना।

**बसिऔरा** पुं. (तद्.) 1. पर्युषित अन्न, बासी भोजन 2. वर्ष की वे तिथियाँ जिसमें वासी भोजन किया जाता है ये दोनों चैत्र और आषाढ़ में आती हैं।

**बसीठ** पुं. (तद्.) समाचार या संदेश ले जाने वाला, दूत, किसी स्थान को भेजा गया संदेशवाहक व्यक्ति।

**बसीत** पुं. (अर.) 1. सूर्य का अक्षांश सूचक, जहाज पर लगाया गया एक यंत्र 2. कमान।

**बसूला** पुं. (तद्.) लकड़ी का काम करने वाले बढ़ई का एक लौह औजार, जिससे लकड़ी छिली और गढ़ी जाती है।